

**३** to expose for sale, नित्यं शुद्धः कारुहस्तः पण्ये यच्च प्रसारितम् M.v.129; **३** to open wide. प्रति- to replace, कनकबलयं खस्तं खस्तं मया प्रतिसार्यते Sak.111. वि- to set on foot, to cause to take effect. सम्- to cause to revolve, जन्मवृद्धिस्तथैव नित्यं संसारयति चक्रवत् M. xii. 124.

**सूक** m. 1 Air, wind; 2 an arrow; 3 a thunderbolt; 4 a lotus.

**सूककु** f. Itch, scab.

**सूकाल** m. A jackal. Cf. **सगाल** and **शृगाल**.

**सूक** n.

**सूकणी** f.

**सूकन** n.

**सूकिणी** f.

**सूकित** n.

**सूक** n.

**सूकणी** f.

**सूकन** n.

**सूकिणी** f.

**सूकित** n.

**सूग** m. 1 A sort of arrow; 2 a sling.

**सूगाल** m. 1 A jackal, व्यभिचारानु भवतुः श्री लोके प्राप्नोति नियताम् । सगालयोनिं चाप्नोति पाप-रोगैश्च पीडयते M. ix.30,v.164.

**सूका** f. A kind of garland made of jewels.

**सूज** vt. 6. P, 4. A (pp. सूज्, pres. सूजति, सूज्यते; desid. सिस्सुति) 1 To let go, to let loose; 2 to shed, to effuse, अनन्दशतितामिव बाष्पवृष्टिं हिमसूतिं हैमवतीं ससर्ज R. xvi. 44; 3 to let off, to throw, to cast; 4 to create, to produce, to make, सूजति तावदशेषगुणाकरं पुरुषरत्नमलंकर-णं भुवः Bhartr. iii. 110; 5 to put on, to place on, to apply; 6 to procreate, to beget; 7 to send away, to abandon, to leave, to quit.

WITH अति- 1 to leave; 2 to give; 3 to remit, अभि-

to give. अव- 1 to let loose; 2 to cast, to throw, to sow, तासु बीजमवासृजत् M. i. 8. उद्- 1 to shed; 2 to let loose, तुरंगमुत्सृष्टमनंगलं पुनः R. iii. 39; 3 to abandon, स चापमुत्सृज्य विवृद्धमन्तरः R. iii. 60; 4 to shoot; 5 to throw away; 6 to dismiss; 7 to give, to return, सहस्रगुणमुत्सृष्टमादत्ते हि रसं रविः R. i. 18; 8 to repudiate; 9 to decline. उप- 1 to pour out or on, to make an oblation; 2 to join, to attach, to connect, e.g. सुखं दुःखोपसृष्टम्; 3 to beset with, to oppress, रोगोपसृष्टतनुदुर्वैसतिं मुमुक्षुः R. viii. 94; 4 to eclipse, नेक्षतोद्यतमादित्यं नास्तं यातं कदाचन । नोपसृष्टं न वारिद्धं न मध्यं नभसो गतम् M. iv. 37. नि- to let go, to set free, to deliver, न स्वाभिना निस्सृष्टोऽपि शूरो दास्यद्विमुच्यते M. vii. 414. प्र- 1 to abandon; 2 to injure, e.g. योऽनागसि प्रसृजति. वि- 1 to shed; 2 to let loose, to abandon, सविस्मयो दाशरथेस्तनूजः प्रोवाच पूर्वार्धविमुष्टतल्पः R. xvi. 6; 3 to drop; 4 to send, भोजेन दूतो रघवे विमुष्टः R. v. 39; 5 to let fall, to cast, to throw, विमुजति हिमगर्भैराभि-मिदुर्मेयुखैः Sak. i.; 6 to repudiate; 7 to utter, to sound; 8 to give. सम्- 1 to mix, to be in touch with, संसृज्यते सरसिजैररुणांशुभिः R. v. 69; 2 to meet with. सौमित्रिणा तदनु संसृजे स चैनम् R. xiii. 73.

**सूजिकाक्षार** m. Natron.

**सूजव** m. pl. Name of a people.

**सूजि** I m. 1 An enemy; 2 the moon. II m. f. A hook to drive an elephant, Sis. v. 5.

**सूजि(नी)का** f. Saliva.

**सूति** f. 1 Gliding, M. vi. 68; 2 road, path, way, जैते मृती

पार्थ जानन् योगी मुद्याति कश्च Bg. viii. 27; 3 hurting, injuring.

**सूखरी** f. 1 A stream, a river; 2 a mother.

**सूखर** m. A snake.

**सूखाकु** I m. 1 Fire; 2 air, wind; 3 a deer; 4 Indra's thunderbolt; 5 the disc of the sun. II f. A river.

**सृ** vt. 1. P (pp. सृतः, pres. सपेति; desid. सिस्सुति) 1 To creep, to crawl; 2 to go, to move. WITH अनु- to approach, गिरिमवसृष्टमो लिङ्गं नकसंभवात् Bt. vi. 27. अप- 1 to go away, to run away, e.g.

या ष्ठायेव न तत्पाथो न धनव्यपसर्पति; 2 to deviate from; 3 to espy. उद्- to rise, to overflow, सरित्प्रवाहस्तटमुत्सर्गं R. v. 46. उप- 1 to go near, to approach; 2 to undergo; 3 to go forth, M. ix. 269.

4 to move. परि- to move to and fro. प्र- 1 to proceed, to come forth; 2 to prevail, to spread, आलकै विषमिव सर्वैतः प्रसृतम् Ut. i. वि- 1 to sneak about, to fly about; 2 to march, to proceed, तरयानीकै-

विस्पर्षिहरपरांतजयोद्यतेः R. ii. 58; 3 to spread, मनोरागस्ती- व्रं विषमिव विसर्पत्यविरतम् M. M. ii.; 4 to flow, to fall, विस-

पेन् धाराभिर्लुठति धरणीं जर्जरकषः Ut. i.; 5 to disperse; 6 to wind; 7 to run away. सन्- 1 to flow, संसर्पन्त्याः स्वाति-

सुभगं दक्षितावर्तनभिः Megh. i. 29; 2 to glide, to move. संसर्पन्त्या सपदि भवतः स्वोत्थि च्छाययासौ Megh. i. 51.

**सूपाद** m. A kind of measure.

**सूपाटिका** f. The beak of a bird.

**सूपादी** f. A kind of measure.

**सूप** m. The moon.

**सृ** vt. 1. P (pres. सपेति or

सृषति) To kill, to injure.